Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

N 0 3 3 1 7

PAPER - III
DOGRI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **20**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

DOGRI
डोगरी
PAPER - III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : इस पेपर च **पंज्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआलें दे परते देओ।

1. भारोपीय परिवार दी मूल भाशा च :

(a) क्रिया दे फल दे अधार उप्पर आत्मनेपद ते परस्मैपद होंदे न।

(b) इकवचन ते बहुवचन होंदे हे।

(c) त्रै पुरश ते अट्ठ विभक्तियां हियां।

(d) नपुंसक लिंग बी होंदा हा।

कोड :

(1) (b), (c) ते (d) ठीक न। (2) (a) ते (c) ठीक न।

(3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी – I		**चंदी – II**
(a)	परिपूरक वितरणी ध्वनि	(i) सूक्ष्म
(b)	वाणी	(ii) संपादन
(c)	अर्थभेदक ध्वनि	(iii) संध्वनि
(d)	भाशा	(iv) ध्वनिग्राम

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

3. प्राकृत प्रकाश, प्राकृत सर्वस्व, शब्दानुशासन ते भाषाशास्त्र की रूपरेखा ग्रंथें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे रचनाकारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) वररुचि, हेमचंद्र, मार्कण्डेय ते उदयनारायण तिवारी

(2) मार्कण्डेय, उदयनारायण तिवारी, हेमचंद्र ते वररुचि

(3) उदयनारायण तिवारी, वररुचि, हेमचंद्र ते मार्कण्डेय

(4) वररुचि, मार्कण्डेय, हेमचंद्र ते उदयनारायण तिवारी

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी ते हिंदी दे नासिक्य व्यंजनें च ध्वनिग्रामक स्तर उप्पर बड़ी भिन्नता ऐ।

(R) डोगरी च ङ्, ञ्, ण् न् ते म् पंजै ध्वनियां आपूं-चें अर्थभेदक न; जेल्लै के हिंदी च सिर्फ न् ते म् गै आपूं-चें अर्थभेदक न, बाकी दियां नेईं।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

5. फ्रांत्स बोप दी पुस्तक ऐ :

(1) धातु रचनावली (2) धातु प्रकरण (3) धातु उच्छवास (4) धातु प्रक्रिया

6. आधुनिक भारती आर्य भाशां :

(a) लगभग पूरी चाल्ली अयोगात्मक होई गेइयां न।

(b) अजें बी योगात्मक सुआतम रखदियां न।

(c) अंग्रेजी, अरबी-फ़ारसी आदि भाशाएं दे शब्द-भंडार गी अपने शब्द-भंडार च थाह्र देआ करदियां न।

(d) केईं चाल्ली दे ध्वनि-परिवर्तनें कन्नै अग्गें बधियां न।

कोड :

(1) (b), (c) ते (d) ठीक न। (2) (a) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	धातु रूपग्राम	(i) आओजाई
(b)	मध्य प्रत्यय रूपग्राम	(ii) दोखी
(c)	पर प्रत्यय रूपग्राम	(iii) चपास्सै
(d)	पूर्व प्रत्यय रूपग्राम	(iv) शैल

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

8. वैदिक मंत्रें दे पाठ दी मौलिकता ते उं'दे च अपरिवर्तन गी यकीनी बनाने आस्तै सधारण मंत्रपाठ दे इलावा जि'नें च'ऊं होर पाठ-पद्धतियें गी अपनाया गेआ ऐ उं'दा सिलसलेबार स्हेई क्रम ऐ :

(1) क्रमपाठ, जटापाठ, पदपाठ, घनपाठ (2) जटापाठ, घनपाठ, क्रमपाठ, पदपाठ

(3) घनपाठ, क्रमपाठ, जटापाठ, पदपाठ (4) पदपाठ, क्रमपाठ, जटापाठ, घनपाठ

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) मध्य भाशा काल च डोगरी भाशा दा सरबंध शौरसेनी प्राकृत कन्नै मन्नेआ जंदा ऐ।

(R) शौरसेनी प्राकृत दियां मतियां विशेशतां डोगरी भाशा च मौजूद न।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

10. कोई मसीबत आपूं गल पान दे अर्थ लेई बरतोने आह्ले क्रिया शब्द दा स्हेई रूप ऐ :

(1) सेह्ड़ना (2) सेड़ह्ना (3) सेड़ना (4) स्हेड़ना

11. डोगरी च 'गी' :

(a) कर्म कारक दा चि'न्ह ऐ।

(b) संज्ञाएं थमां विशेशन बनाने आह्ला प्रत्यय ऐ।

(c) विशेशनें थमां संज्ञा बनाने आह्ला प्रत्यय ऐ।

(d) समानाधिकरण समुच्चय बोधक अव्यय ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न। (4) (a) ते (d) ठीक न।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	खाएआं	(i)	मध्यमपुरश निश्चयार्थ इकवचन
(b)	दौड़ां	(ii)	मध्यमपुरश आज्ञार्थ इकवचन
(c)	दौड़ग	(iii)	प्रथमपुरश आज्ञार्थ इकवचन
(d)	दौड़गा	(iv)	अन्यपुरश निश्चयार्थ इकवचन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

13. तुलना, बरोध, नमित्त ते साधन अर्थें दे क्रम दे स्हाबें इं'दे संबंध सूचक अव्ययें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) बनिस्बत, बपरीत, बास्तै, बदौलत (2) बदौलत, बपरीत, बास्तै, बनिस्बत

(3) बनिस्बत, बास्तै, बदौलत, बपरीत (4) बपरीत, बदौलत, बास्तै, बनिस्बत

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 'पराने डोगरे' लिपि केईं द्रिश्टियें कन्नै अधूरी ही।

(R) एह्दे च स्वरें दियां मात्रां मौजूद नेईं हियां। व्यंजनें दे बाद मात्रा दे थाह्रै पर स्वर दा मूल रूप गै बरतेआ जंदा हा। 'य' ते 'ज' ; 'व' ते 'ब' ते 'छ' ते 'श' आस्तै इक-इक वर्ण गै बरतेआ जंदा हा।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

15. संतरा जाति दे इक फल 'खट्टी' आस्तै बरतोने आह्ले पर्याय दा स्हेई लिखत रूप ऐ :

(1) जमीह्री (2) ज्हमीरी (3) जम्हीरी (4) जमीरी

16. कवि हरदत्त :

(a) अजादी पैह्ले दे डोगरी कवि न।

(b) समाज-सुधार इं'दी कविता दी प्रमुख बशेशता ऐ।

(c) एह् महाराजा हरिसिंह दे समें च लिखदे हे।

(d) महाराजा प्रतापसिंह दे समें च लिखदे हे।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b), (c), (d) सारे ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	डोगरी रामायण	(i)	प्रकाश प्रेमी
(b)	बनवास	(ii)	ज्ञानसिंह पगोच
(c)	बेद्दन धरती दी	(iii)	शम्भु नाथ शर्मा
(d)	महात्मा विदुर	(iv)	बिशनसिंह दर्दी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

18. ध्यान सिंह, बाल कृष्ण भौरा, मोहनलाल सपोलिया, चर्णसिंह कवियें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दियें इ'नें पुस्तकें दा स्हेई प्रकाशन क्रम ऐ :

(1) चानन चेतें दा, राष्ट्री भाखां, लामियां बुझामियां, जोत

(2) लामियां बुझामियां, जोत, राष्ट्री भाखां, चानन चेतें दा

(3) जोत, चानन चेतें दा, लामियां बुझाइयां, राष्ट्री भाखां

(4) लामियां बुझामियां, चानन चेतें दा, राष्ट्री भाखां, जोत

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी दे बहुविध कविता-खेतर च गज़ल विधा ने बड़ी मती लोकप्रियता हासल कीती ऐ।

(R) गज़ल विधा गी डोगरी भाशा दा सुआतम बड़ा रास आया।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

20. ''रीझां गिरजां बैठियां, चुज्जें फड़े बुआह्न, तांह्गां बनियां जोगनां, छंद-लुहानी गान।''

इ'नें पंगतियें च बर्तोए दे अलंकार दा नांऽ ऐ :

(1) उत्प्रेक्षा (2) रूपक (3) उपमा (4) अनुप्रास

21. किशन स्मैलपुरी :

(a) डोगरी गज़ल दे उस्ताद मन्ने जंदे न।

(b) डोगरी दे गीतकार मन्ने जंदे न।

(c) डोगरी दी फिलम 'गल्लां होइयां बीतियां' दे गीतकार हे।

(d) डोगरी गज़ल दे बादशाह हे।

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (c) ते (d) ठीक न।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	सोध समुंदरें दी	(i)	कविता संग्रैह्
(b)	घड़ी	(ii)	हाम्ब
(c)	गज़ल ते रूबाई संग्रैह्	(iii)	चमुखा संग्रैह्
(d)	मौन लकीरां	(iv)	लम्मी कविता

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

23. प्रकृतिवाद, अध्यात्मवाद, सुधारवाद, राष्ट्रवाद दे सुरें दे क्रम स्हाबें इं'दे कवियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) ब्रह्मानन्द, हरदत्त शास्त्री, कृष्ण स्मैलपुरी, मोहनलाल सपोलिया।

(2) कृष्ण स्मैलपुरी, ब्रह्मानन्द, हरदत्त शास्त्री, मोहनलाल सपोलिया।

(3) हरदत्त शास्त्री, मोहनलाल सपोलिया, ब्रह्मानन्द, कृष्ण स्मैलपुरी।

(4) मोहनलाल सपोलिया, हरदत्त शास्त्री, ब्रह्मानन्द, कृष्ण स्मैलपुरी।

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी उपन्यास विधा च अजें तगर रुझानें दी स्थापना नेईं होई सकी दी।

(R) ओ.पी. शर्मा 'सारथी' ते देश बन्धु डोगरा 'नूतन' ने उपन्यासें च रुझानें दी स्थापना कीती।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

25. इं'दे चा आतंकवाद पर लखोई दी क्हानी ऐ :

(1) अर्थ वर्क। (2) प्राण नाथ। (3) दिली यारी। (4) एह् तोत्ता ऐ।

26. 'त्रेह् समुन्दर दी' उपन्यास :

(a) प्रतीकात्मक ऐ। (b) आदर्शवादी ऐ।

(c) दे लेखक ओम गोस्वामी न। (d) दे लेखक ओ.पी. शर्मा सारथी न।

कोड :

(1) (b) ते (c) ठीक न। (2) (a) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	सीता	(i)	कुड़में दा लाह्मा
(b)	मानसी	(ii)	टैह्लन
(c)	धन्नी	(iii)	बदनामी दी छां
(d)	केसरो	(iv)	इक अनुभव होर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

28. जौल, सरबंध, मूरतो ते भगीरथ उपन्यासें दा प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) जौल, मूरतो, सरबंध ते भगीरथ।
(2) भगीरथ, जौल, सरबंध ते मूरतो।
(3) सरबंध, मूरतो, जौल ते भगीरथ।
(4) मूरतो, जौल, सरबंध ते भगीरथ।

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 1947 कोला 1957 तगर कविता दी रफ्तार ते बड़ी तेज रेही पर क्हानी दी रफ्तार किश जड्डी गै रेही।

(R) कविता झट्ट फुरदी ते झट्ट गै लखोई जंदी ऐ पर क्हानी आस्तै आत्ममंथन दरकार होंदा ऐ, जेह्ड़ा समां मंगदा ऐ, समें दी कमी कन्नै केईं बारी क्हानी मरी-भुरी जंदी ऐ।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।
(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

30. इं'दे चा समाज-राजनीति पर अधारत क्हानी ऐ :

(1) रंगली चिड़ी।
(2) मोह्रें दा दर्द।
(3) पिंजरा।
(4) नर्कजून।

31. सन् 2012 ई. च प्रकाशित पोथियां न :

(a) जात्तरा चक्र
(b) चार दिशां-चार धाम
(c) बाखां केह् आखां
(d) सोच

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।
(3) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	परख ते पड़ताल	(i) नीलांबर देव शर्मा
(b)	चेते : किश खट्टे, किश मिट्ठे	(ii) मुलक राज सराफ
(c)	निबंध सुषमा	(iii) ओम गोस्वामी
(d)	शेरे डुग्गर लाला हंसराज	(iv) सत्यपाल

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

33. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें 'विचार मंथन', 'सुच्ची सम्हाल', 'भावें दा मंथन' ते 'त्रुम्बां' पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) सुच्ची सम्हाल, त्रुम्बां, विचार मंथन, भावें दा मंथन
(2) त्रुम्बां, सुच्ची सम्हाल, विचार मंथन, भावें दा मंथन
(3) त्रुम्बां, भावें दा मंथन, विचार मंथन, सुच्ची सम्हाल
(4) विचार मंथन, भावें दा मंथन, त्रुम्बां, सुच्ची सम्हाल

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) संस्मरणात्मक निबंधें च लेखक दे चरित्र गी प्रधानता नेईं मिलदी बल्के व्यक्ति दे सरबंधै च लेखक ने जेह्ड़ी राऽ बनाई दी होंदी ऐ, उसदा विस्तार होंदा ऐ।

(R) संस्मरणात्मक निबंधें च देश ते काल दा चेचा ध्यान रक्खना पौंदा ऐ।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।
(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

35. 'अज्जै दा डोगरी साहित्य : इक समीक्षा' दे रचनाकार न :

(1) बंसी लाल शर्मा (2) विजय सेठ (3) रत्न बसोत्रा (4) वीणा गुप्ता

36. कर्नल राज मनावरी दी पुस्तक :

(a) दा नांऽ 'प्रयास' ऐ। (b) सन् 2016 ई. च प्रकाशित होई ही।
(c) 'कुदरत दे रंग' ऐ। (d) सन् 2014 ई. च प्रकाशित होई ही।

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (a) ते (d) ठीक न।
(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (c) ठीक न।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	मेरी मित्ती दे खतोले	(i)	डोगरी नाटक ते रंगमंच
(b)	सम्हाल उस कल्लै दी	(ii)	भीतिचित्र ते चित्रकला
(c)	चार दिशां-चार धाम	(iii)	लोक-वार्ता
(d)	लेख माला	(iv)	यात्रा लेख संग्रैह्

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

38. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें 'डोगरी लेख माला', 'लेख माला', 'प्रयास' ते 'सोच' पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) सोच, प्रयास, लेख माला, डोगरी लेख माला
(2) डोगरी लेख माला, सोच, लेख माला, प्रयास
(3) डोगरी लेख माला, लेख माला, प्रयास, सोच
(4) प्रयास, सोच, लेख माला, डोगरी लेख माला

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) नाटककार गी नाटक च बोलने दी सुविधा नेईं होंदी।
(R) नाटककार पात्तरें राहें गै अपनी गल्ल आखदा ऐ।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।
(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

40. 'सरपंच' नाटक च बांगी दा निक्का भ्राऽ ऐ :

(1) रणु (2) चोह्लो (3) बिद्दां (4) भगतू

41. सुतीक्षण कुमार शर्मा 'आनंदम्' हुंदे नाटक संग्रैह् च शामिल नाटक न :

(a) सोचना गै पौग (b) अस बी खुश ते ओह् बी खुश
(c) निहालप (d) सीरां

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (a), (b) ते (c) ठीक न।
(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (c) ठीक न।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	देव पुत्तर	(i)	पंच परमेश्वर
(b)	न्हेरे दी तानी संयोगें दे धागे	(ii)	आषाढ़ का एक दिन
(c)	मल्लिका	(iii)	उडीप्पस
(d)	पंच परमेसर	(iv)	मंकीज़ पाऽ

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

43. क्रम दे स्हाबें 'हिजरत', प्हाड़ी कांऽ', 'कुरुक्षेत्र', 'गलेडियेटर' एकांकियें दा संकलन जि'नें संग्रैहें च होए दा ऐ, उं'दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अपने-पराये, इक जन्म होर, अंगारें दी लोऽ, यात्रू
(2) यात्रू, इक जन्म होर, अपने-पराये, अंगारें दी लोऽ
(3) अंगारें दी लोऽ, यात्रू, इक जन्म होर, अपने-पराये
(4) इक जन्म होर, अंगारें दी लोऽ, यात्रू, अपने-पराये

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) प्राचीन संस्कृत साहित्य च दुखांत नाटक बड़े घट्ट लखोए दे न।
(R) भारती वाङमय च मौत नेईं, जीवन गी गै म्हत्ता दित्ती जंदी ही।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।
(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

45. 'देवयानी, नाटक च देवते संजीवनी दा भेत लैन भेजदे न :

(1) शुक्राचार्य गी (2) देवयानी गी (3) सरमिश्ठा गी (4) कच गी

46. औचित्य :

(a) कला ते अकला दा ज्ञान करांदा ऐ। (b) अनुभाव गी बधांदा ऐ।
(c) इक सशक्त सिद्धान्त ऐ। (d) कोई सिद्धान्त नेईं।

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।
(3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (c) ते (d) ठीक न।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	आदर्शवादी विचारक	(i)	फ्लावेयर
(b)	अभिव्यंजनावादी विचारक	(ii)	जीन मोरियस
(c)	प्रतीकवादी अलोचक	(iii)	प्लेटो
(d)	यथार्थवाद दे प्रवर्तक	(iv)	काफ्का

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

48. 'साढ़े साहित्यकार', 'डोगरी उपन्यासें च वर्ग संघर्श', 'साहित्य परचोल' ते 'जगदियां जोतां' पुस्तकें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे अलोचकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चंचल भसीन, शिवनाथ, वीणा गुप्ता ते वेद राही।

(2) शिवनाथ, वीणा गुप्ता, चंचल भसीन ते वेद राही।

(3) वेद राही, शिवनाथ, वीणा गुप्ता ते चंचल भसीन।

(4) वीणा गुप्ता, चंचल भसीन, शिवनाथ ते वेद राही।

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) ध्वनि सिद्धान्त दा विरोध सभनें सिद्धान्तें कोला मता होआ।

(R) की जे इस सिद्धान्त दी स्थापना कोला पैह्लें इस सिद्धान्त दी कोई परम्परा नेईं ही ते नां गै उस बेल्ले दे विद्वानें गी ध्वनि जनेह् काव्य तत्व बारै कोई जानकारी ही।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

50. ''न कान्तमपि निर्भूषणं विभाति वनिता मुखम्'' आखे दा ऐ :

(1) वामन (2) भामह (3) कुन्तक (4) भरतमुनि

51. वक्रोक्ति :

(a) दा सरबंध रस आंगर आन्तरिक ऐ।

(b) च वर्ण-योजना विशे अनुकूल होनी चाहिदी।

(c) च खौह्रे वर्णें दा प्रयोग बी कीता जाई सकदा ऐ।

(d) च कुन्तक ने अलंकारें गी बी थाह्र दित्ते दा ऐ।

कोड :

(1) (b) ते (d) ठीक न। (2) (a) ते (c) ठीक न।

(3) (a) ते (b) ठीक न। (4) (c) ते (d) ठीक न।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	स्वेद	(i)	मूंह् फक्क होना
(b)	रोमांच	(ii)	स्वभावक तरीके कन्नै नेईं बोलना
(c)	विवर्णता	(iii)	पसीना औना
(d)	स्वरभंग	(iv)	सरकंढे उब्भरना

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

53. 'डोगरी साहित्य च युग चेतना', 'डोगरी साहित्य चर्चा', 'साढ़े साहित्यकार' ते 'आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे' अलोचना दियें पुस्तकें दा प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) डोगरी साहित्य चर्चा, साढ़े साहित्यकार, डोगरी साहित्य च युग चेतना ते आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे।

(2) आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे, डोगरी साहित्य चर्चा, डोगरी साहित्य च युग चेतना ते साढ़े साहित्यकार।

(3) आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे, डोगरी साहित्य च युग चेतना, साढ़े साहित्यकार ते डोगरी साहित्य चर्चा।

(4) डोगरी साहित्य चर्चा, आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे, साढ़े साहित्यकार ते डोगरी साहित्य च युग चेतना।

54. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरा प्हाड़ी संगीत दी लोकप्रियता गी दिखदे होई आधुनिक संगीतकला च बी इसी नमां रंग दित्ता जा करदा ऐ।

(R) डोगरी भाख बी इक चाल्ली कन्नै इस्सै संगीतकला दा इक हिस्सा ऐ।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

55. लोकगीत :

लोकगीत कुसै संस्कृति दे मुहां बोलदे चित्र न।'' एह् परिभाशा दित्ती दी ऐ।

(1) कुंदनलाल उप्रेती ने। (2) कृष्णदेव झारी ने।

(3) वासुदेव शरण अग्रवाल ने। (4) के.बी. दास ने।

56. कांगड़ा कलम :

(a) लोक चित्रकला दा इक रूप ऐ। (b) मोंरै दे फंघै दी बनी दी होंदी ऐ।

(c) चित्रकला दी इक शैली ऐ। (d) कुसै थाह्रा दी कलात्मक समृद्धि दा बोध करांदी ऐ।

कोड :

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b), (c), (d) सारे ठीक न।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) हिरणा बै हिरणा, दुहार नेइयों करना।	(i) 'चाल' नाच दे बोल।
(b) छीना लग्गा हो मिंझो, छीना लग्गा हो।	(ii) भांगड़ा लोक नाच दे बोल।
(c) मेंरै हत्थ कटोरा तेल दा, मेरा पीर जंगल बिच खेलदा।	(iii) कुड्ढ नाच दे बोल।
(d) शावा, धरमू मार लेआ	(iv) हिरण नाच दे बोल।

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

58. विक्रमी संवत् दे समें-अनुक्रम स्हाबें इ'नें पर्व-तेहारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) बसोआ, देआली, दसैह्रा, गुग्गेआ नौमी। (2) गुग्गेआ नौमी, बसोआ, देआली, दसैह्रा।

(3) देआली, दसैह्रा, बसोआ, गुग्गेआ नौमी। (4) बसोआ, गुग्गेआ नौमी, दसैह्रा, देआली।

59. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) लोक कत्थां माह्नु-समाज लेई इक रसैन दा कम्म करदियां न।

(R) लोक कत्थां मन परचाने दे कन्नै-कन्नै जीवन लेई मार्ग-दर्शन बी करदियां न।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

60. 'दस्स हां मड़िये बड़ी,
तूं गड्डी कि'यां चढ़ी ?
तूं नदिया कि'यां तरी ?
मेरा घर कि'यां जांता ?
ते मिगी कि'यां पछांता ?

(1) एह् गुजराती भाशा दे इक खुआन दा अनुवाद ऐ।

(2) अंग्रेजी भाशा दे इक खुआन दा अनुवाद ऐ।

(3) संस्कृत साहित्य दे इक लम्मी सूक्ति दा अनुवाद ऐ।

(4) डोगरी भाशा दा अपना खुआन ऐ।

61. 'नकल दी नकल' दा सिद्धांत :

(a) दे विचारक प्लैटो न।

(b) दे विचारक अरस्तु न।

(c) दा मतलब ऐ जे रचना गै अपने आपै च मौलिक नेईं होंदी।

(d) दे मूजब अनुभूति दी हूबहू अभिव्यक्ति रचना च नेईं होंदी।

कोड :

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न। (4) (b) ते (c) ठीक न।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	जसबीर सिंह भुल्लड़	(i)	जंगलै दी इक रात
(b)	रानाताली रात	(ii)	नमें युगै दे वारस
(c)	सुरेंद्र प्रकाश	(iii)	जंगलटापू
(d)	महेंद्र सिंह सरना	(iv)	बाज़गोई

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

63. कविता, गद्य, क्हानी ते उपन्यास साहित्य दियें इ'नें विधाएं दे क्रम दे स्हाबें अनूदित रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) किन्ने पाकिस्तान, सलाम, आलोक पर्व ते जंगलै दी इक रात

(2) जंगलै दी इक रात, आलोक पर्व, सलाम ते किन्ने पाकिस्तान

(3) सलाम, आलोक पर्व, जंगलै दी इक रात ते किन्ने पाकिस्तान

(4) आलोक पर्व, सलाम, जंगलै दी इक रात ते किन्ने पाकिस्तान

64. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अनुवाद गी मतियें संस्कृतियें गी जोड़ने आह्ला पुल आखेआ गेदा ऐ।

(R) एह् इक नेहा माध्यम ऐ जेह्दे राहें बक्खरे-बक्खरे भाशा-भाशियें दियें भावनाएं, वृत्तियें, मानसिकता आदि गी समझेआ जाई सकदा ऐ।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

65. रवींद्रनाथ टैगोर हुंदे कविता – संग्रैह् इकोत्तरशती दे अनुवादक न :

(1) रामनाथ शास्त्री (2) केहरिसिंह मधुकर

(3) वेदपाल दीप (4) हरदत्त शास्त्री

66. डोगरी च अनूदित रचना 'डुआरी कबूतरें दी' :

(a) गी अनूदित कीता ऐ चम्पा शर्मा ने (b) गी अनूदित कीता ऐ ओम गोस्वामी ने

(c) दे मूल लेखक न रस्किन बाँड (d) दा मूल नांऽ ऐ 'आकाल में सारस'

कोड :

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (c) ठीक न।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी – I		**चंदी – II**
(a)	मदन जीत सिंह	(i) भगवदज्जुकीयम
(b)	बोधायन	(ii) सुधा मूर्ति
(c)	शम्भुमित्र	(iii) साशिया दी क्हानी
(d)	Wise and otherwise	(iv) सुन्ना ते स्वार्थ

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

68. डोगरी च अनूदित रचनाएं मैकबैथ, पतालबासी, जनता दा आदमी ते दो गज़ जमीन दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे अनुवादकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) सत्यपाल श्रीवत्स, रामनाथ शास्त्री, हंसराज पंदोत्रा ते जितेंद्र उधमपुरी

(2) सत्यपाल श्रीवत्स, जितेंद्र उधमपुरी, हंसराज पंदोत्रा ते रामनाथ शास्त्री

(3) रामनाथ शास्त्री, सत्यपाल श्रीवत्स, हंसराज पंदोत्रा ते जितेंद्र उधमपुरी

(4) हंसराज पंदोत्रा, रामनाथ शास्त्री, सत्यपाल श्रीवत्स ते जितेंद्र उधमपुरी

69. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) मेले ते पर्व-उत्सव बी परंपरागत संचार दे सशक्त माध्यम हे।

(R) की जे इं'दे पिच्छें धार्मिक भावना दे इलावा वैचारिक संचार ते सूचनाएं दे आदान-प्रदान दा उद्देश्य बी छप्पे दा होंदा ऐ।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

70. भारत च रंगीन टैलीविज़न दा सूत्रपात होआ हा :

(1) 1936 ई.च. (2) 1964 ई.च. (3) 1982 ई.च. (4) 1984 ई.च.

71. परंपरागत संचार माध्यम :

(a) सिर्फ मनोरंजन दे साधन हे।

(b) मुक्ख तौरा पर मौखिक संचार दे रूपा च हे।

(c) आम तौरा पर ग्राईं समुदाय दे जीवन कन्नै जुड़े दे हे।

(d) अक्सर पीढ़ी दर पीढ़ी अग्गें बधदे जंदे हे।

कोड :

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (c) ठीक न।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	संवाद दी प्रस्तुति-कलात्मकता	(i)	कंप्यूटर
(b)	ट्रांसमीटर	(ii)	इंटरनेट (नेटवर्क)
(c)	नेशनल इंफरमेशन सैंटर	(iii)	रेडियो
(d)	गणनापरक सुआतम	(iv)	दूरदर्शन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

73. काल-क्रम दे स्हाबें इ'नें पत्रिकाएं दे प्रकाशन दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) पत्तन, पनीरी, कूंज कतारां, शिवज्योति (2) शिवज्योति, पनीरी, पत्तन, कूंज कतारां

(3) कूंज कतारां, पत्तन, शिवज्योति, पनीरी (4) पनीरी, पत्तन, कूंज कतारां, शिवज्योति

74. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) असर्शन** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) रीजन** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) प्राचीन भारत च परंपरागत संचार माध्यम सिर्फ मनोरंजन दे साधन गै नेईं हे बल्के संचार दे माध्यमें दे रूपा च इं'दा खास म्हत्तव ऐ।

(R) एह् बुराई जां अनिश्ट परा पर्दा गुहाड़ियै जन-मानस दियां अक्खीं बी खोह्लदे न ते स्हेई बत्त अपनाने दा सनेहा बी दिंदे न।

कोड :

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R)**, **(A)** दा स्हेई कारण नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

75. एलेक्ज़ेंडर ग्राहम बेल ने टैलीफोन-प्रयोग च सफलता प्राप्त कीती ही :

(1) 1826 ई.च. (2) 1875 ई.च. (3) 1879 ई.च. (4) 1890 ई.च.

- o O o -

Space For Rough Work